PRGI No. HRHIN/25/A0111

10 thousand copies for FREE DISTRIBUTION

शुभसमय वैदिक फाउंडेशन का प्रकाशन

व्हाइट प्रिंट

30/-

अहा जिंदगी

अक्टूबर 2025
वर्ष : 1 अंक : 4

आरती संग्रह
दीपावली पूजन विधि सहित

प्रसन्न रहें, खुशियां बांटें !

दीपक यादव

निदेशक- विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल

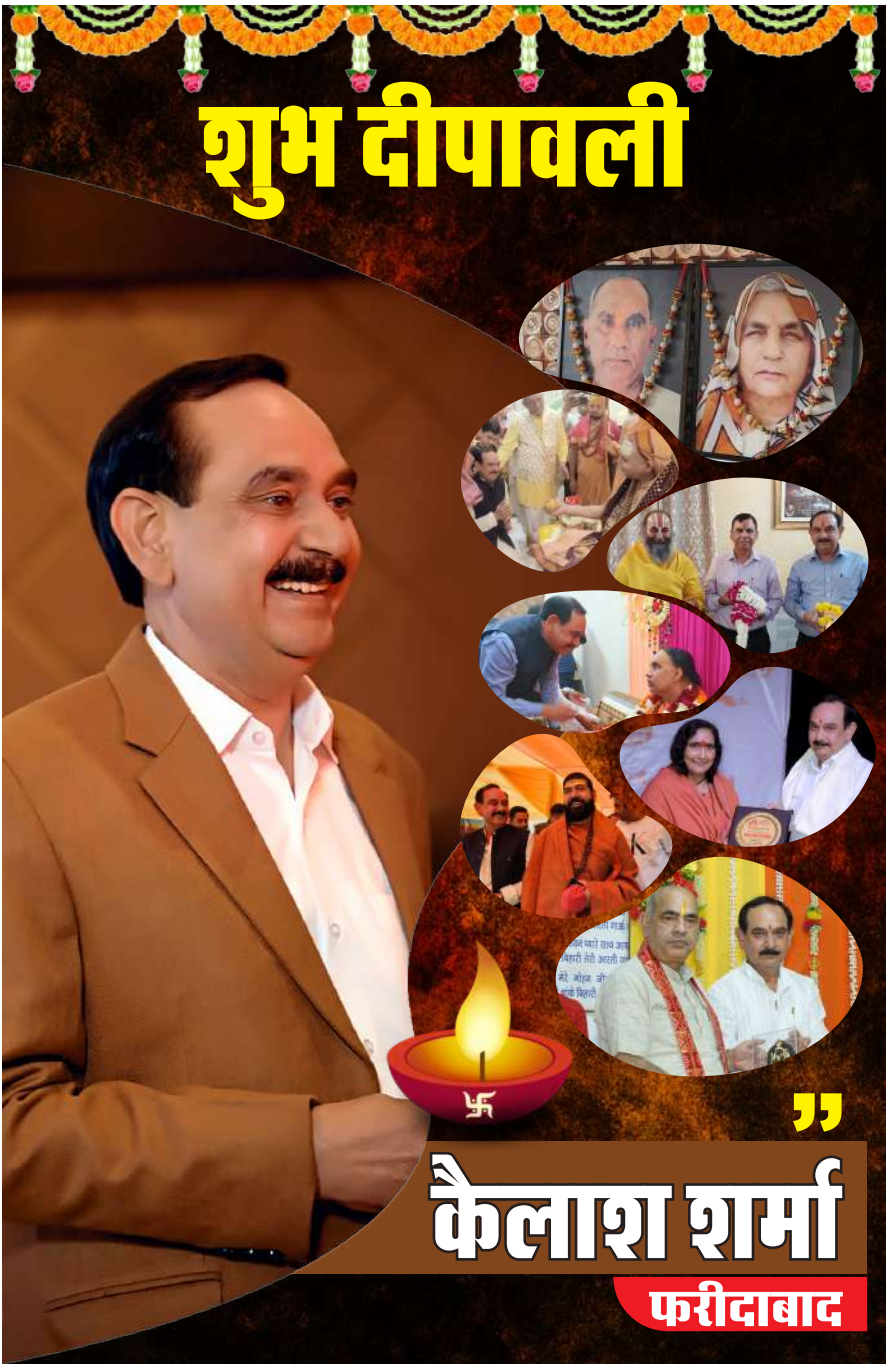

शुभ दीपावली
कैलाश शर्मा
फरीदाबाद

VIDYASAGAR
INTERNATIONAL SCHOOL

संस्कार ही शिक्षा है

Dharmpal Yadav
Chairman

Deepak Yadav
Director

Education is the movement from darkness to light.

Happy Diwali

Branch 1 : Gharora, Greater Faridabad | Call : 7011702170

Branch 2 : Sector-2, Ballabgarh | Call : 7011737963

Editor's Note

Dear FRIENDS !

शुभसमय वैदिक फाउंडेशन आपके लिए एक बार फिर दीपावली पूजन विधि एवं आरती संग्रह लेकर आए हैं। हमें आशा है कि आप सभी को परमात्मा का साक्षी बनने के लिए यह पुस्तिका अवश्य ही सहयोग करेगी। हमने हमेशा आपका ख्याल रखा और आपने भी हमारा हमेशा ही साथ दिया है। इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारी, आपकी और सबकी दीपावली एक दूसरे से जुड़ी हुई है। यही भारत का वसुधैव कुटुम्बकम् है। आपको यह अंक कैसा लगा, यह जानकर हमें बड़ी खुशी होगी।

आपको दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

आपका अपना,
शकुन एस. रघुवंशी

Sudarshan Media @ 9717173417
Email : whiteprintdaily@gmail.com
Editorial Office 5B/1, (Neelam Railway Road), NIT 5, Faridabad, Hr-121001.

आरती संग्रह
दीपावली पूजन विधि सहित

अनुक्रमणिका

दीवाली पूजन विधि	 05
आरती गणेशजी की	 11
आरती महालक्ष्मी जी की	 12
आरती जगदीश जी की	 12
आरती अम्बे जी की	 13
आरती शिव जी की	 14
आरती हनुमान जी की	 15
आरती कुंजबिहारी जी की	 16
आरती रामचन्द्र जी की	 17
आरती वैष्णो माता की	 18
आरती शनिदेव जी की	 19
आरती एकादशी जी की	19
आरती खाटूश्याम जी की	21
आरती पार्वती जी की	21
आरती सरस्वती जी की	22
आरती साईं बाबा की	23
आरती अग्रसेन जी की	23
आरती कालीमाता की	25
आरती शीतला माता की	25
आरती गायत्री जी की	26
आरती बाबा मोहनराम जी	...27
आरती विश्वकर्मा जी की	29
आवश्यक मंत्र	29
आरती गुरु महाराज की	30

Printed and published by Shakun Shivram Raghuvanshi for and behalf of Shubhsamay Vaidik Foundation and printed at Joy Printers, 3G, 142, NIT, Faridabad, Haryana - 121001 and published from 5B/1, NIT, Neelam Railway Road, Faridabad, Haryana-121001. Editor : Shakun S Raghuvanshi.

दीपावली पूजन विधि

धन, संपत्ति, समृद्धि का नाम आद्या लक्ष्मी जी है। लक्ष्मी जी भगवान विष्णु की पत्नी हैं। दो हाथी उनका अभिषेक करते हैं और वह स्वयं कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। लक्ष्मी जी के चार हाथ हैं जो कि एक लक्ष्य और चार प्रकृतियों (दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प, श्रमशीलता एवं व्यवस्था शक्ति) के प्रतीक हैं। इनका वाहन उल्लू निर्भीकता का सूचक है। माँ लक्ष्मी जी की मुख्य पूजा तो वैसे दीपावली पर की जाती है किन्तु लक्ष्मी पूजा निरंतर करना और भी ज्यादा फलदायक माना जाता है।
इस बार अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 20 अक्टूबर 2025 सोमवार के दिन दीपावली का त्योहार मनाया जा रहा है।

अमावस्या तिथि प्रारम्भ : 20 अक्टूबर 2025 दोपहर 3:44 बजे से
अमावस्या तिथि समाप्त : 21 अक्टूबर 2025 को शाम 5:54 बजे

दीपावली पूजा के मुहूर्त
अभिजित मुहूर्त : दिन में 11:43 से 12:28 तक।
अमृत काल : अपराह्न 01:40 से 03:26 तक।
लक्ष्मी पूजा मुहूर्त : शाम 07:08 बजे से रात्रि 08:18 बजे तक।
प्रदोष काल : शाम 05:46 बजे से रात्रि 08:18 बजे तक।
वृषभ काल : शाम 07:08 बजे से रात्रि 09:03 बजे तक।
निशीथ काल पूजा मुहूर्त : मध्यरात्रि 11:41 से 12:31 तक।

चौघड़िया मुहूर्त :
अमृत काल : शाम 04:21 से 05:46 तक।
लाभ : मध्यरात्रि 10:31 से 12:06 बजे तक।

लक्ष्मी पूजन के लिये सामग्री : मां लक्ष्मी की पूजा के लिये सामग्री अपने सामर्थ्य के अनुसार जुटा सकते हैं। मां लक्ष्मी को जो वस्तुएं प्रिय हैं उनमें लाल, गुलाबी या फिर पीले रंग का रेशमी वस्त्र, कमल और गुलाब के फूल, फल के रूप में श्रीफल, सीताफल, बेर, अनार और सिंघाड़े शामिल हैं। अनाज में चावल, घर में बनी शुद्ध मिठाई, हलवा, शिरा का नैवेद्य उपयुक्त है। दीया जलाने के लिये गाय का घी या मूंगफली या तिल का तेल इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा पूजन में रोली, कुमकुम, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, चौकी, कलश, मां लक्ष्मी व भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा या चित्र, आसन, थाली, चांदी का सिक्का, धूप, कपूर, अगरबत्तियां, दीपक, रुई, मौली, नारियल, शहद, दही, गंगाजल, गुड़, धनियां, जौं,

गेंहू, दूर्वा, चंदन, सिंदूर, सुगंध के लिये केवड़ा, गुलाब अथवा चंदन के इत्र ले सकते हैं।

पूजा की विधि : सबसे पहले पूजा के जलपात्र से थोड़ा जल लेकर मूर्तियों के ऊपर छिड़कें। इससे मूर्तियों का पवित्रीकरण हो जायेगा, इसके पश्चात् स्वयं को, पूजा सामग्री एवं अपने आसन को भी पवित्र करें। साथ साथ यह मंत्र बोलें:-

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः।।

इसके बाद आसन स्थान को भी पवित्र करें, धरती मां को प्रणाम करें।

इस प्रक्रिया में निम्न मंत्र का उच्चारण करें:

पृथ्विति मंत्रस्य मेरुपृष्ठः ग ऋषिः सुतलं छन्दः कूर्मोदेवता आसने विनियोगः॥
ॐ पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता।
त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम् ॥ पृथिव्यै नमः आधारशक्तये नमः।।

इसके बाद आचमन करें : अब पुष्प, चम्मच या अंजुलि से इन मंत्रों के साथ एक-एक बूंद पानी अपने मुंह में छोड़िए : ॐ केशवाय नमः ॐ नारायणाय नमः ॐ माधवाय नमः अब ॐ हृषिकेशाय नमः के साथ हाथों को धो लें। इससे विद्या, आत्मा और बुद्धि तत्व का शोधन हो जाता है। तत्पश्चात् तिलक लगाकर अंग न्यास करें। अब आप पूजा के लिये पूरी तरह तैयार हैं।

स्वस्तिवाचन : ॐ स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः। स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः।
स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः। स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु ॥

शान्तिमंत्र : ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षँ शान्तिः, पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः। वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः, सर्वं शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

श्रीमन महा गणाधिपतये नमः।	लक्ष्मी नारायणाभ्यां नमः।
उमा महेश्वराभ्यां नमः।	शचि पुरंदराभ्यां नमः।
मातृ पितृ चरण कमलेभ्यो नमः।	इष्ट देवताभ्यो नमः।
कुल देवताभ्यो नमः।	ग्राम देवताभ्यो नमः।
स्थान देवताभ्यो नमः।	वास्तु देवताभ्यो नमः।
वाणी हिरण्यगर्भाभ्यां नमः।	सर्वेभ्यो देवेभ्यो नमः।
सर्वेभ्यो ऋषिभ्यो नमः।	सर्वेभ्यो ब्राह्मणेभ्यो नमः।

एतत्कर्म प्रधान देवताय नमः। सिद्धि बुद्धि सहिताय श्रीमन्महागणाधिपतये नमः।।
सर्वमंगलमांगल्यै! शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्रयम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते।।

इसके बाद पुष्प, फल, सुपारी, पान, चांदी का सिक्का, नारियल (पानी वाला), मिठाई, मेवा आदि सभी सामग्री थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकर संकल्प लें:-

ॐ तत्सत् अद्य श्रीमन्महाविष्णोः आज्ञया श्रीमहालक्ष्मीप्रसाद सिद्ध्यर्थं मम (अपना नाम बोलें) अहं (अपना गोत्र बोलें, यदि ज्ञात हो) गोत्र उत्पन्नोहं (अपना स्थान बोलें, जैसे फरीदाबाद) नगरान्तर्गते स्थितः अस्मि। श्रीलक्ष्मीपूजनं श्रीगणेशपूजनं च करिष्ये।

गणपति पूजन : हाथ में पुष्प लेकर गणपति का ध्यान करते हुए यह मंत्र पढ़ें-

गजाननं भूतगणादि सेवितं कपित्थ जम्बू फल चारु भक्षणम्।
उमासुतं शोक विनाश कारकं नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम्।

आवाहन: ऊं गं गणपतये इहागच्छ इहतिष्ठ।।

इतना कहकर पात्र में अक्षत छोड़ें।

अर्घा में जल लेकर बोलें:

एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम् ऊं गं गणपतये नमः।

रक्त चंदन लगाएं- इदम रक्त चंदनम् लेपनम् ऊं गं गणपतये नमः,

इसी प्रकार श्रीखंड चंदन बोलकर श्रीखंड चंदन लगाएं।

इसके पश्चात् निम्न मंत्र बोलते हुए सिन्दूर चढ़ाएं :

इदं सिन्दूराभरणं लेपनम् ऊं गं गणपतये नमः।

दूर्वा और विल्बपत्र भी गणेश जी को चढ़ाएं।

इस मंत्र के साथ गणेश जी को वस्त्र पहनाएं:

इदं रक्त वस्त्रं ऊं गं गणपतये समर्पयामि।

पूजन के बाद गणेश जी को प्रसाद अर्पित करें:

इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं गं गणपतये समर्पयामिः।

मिष्ठान अर्पित करने के लिए मंत्र:

इदं शर्करा घृत युक्त नैवेद्यं ऊं गं गणपतये समर्पयामिः।

प्रसाद अर्पित करने के बाद आचमन करायें।

इदं आचमनयं ऊं गं गणपतये नमः।

इसके बाद पान सुपारी चढ़ायें:

इदं ताम्बूल पुंगीफल समायुक्तं ऊं गं गणपतये समर्पयामिः।

अब एक फूल लेकर गणपति पर चढ़ाएं और बोलें:

एषः पुष्पान्जलि ऊं गं गणपतये नमः

इसी प्रकार से अन्य सभी देवताओं की पूजा करें। जिस देवता की पूजा करनी हो गणेश के स्थान पर उस देवता का नाम लें। **कलश पूजन :** घड़े या लोटे पर मोली बांधकर कलश के ऊपर आम का पल्लव रखें। कलश के अंदर सुपारी, दूर्वा, अक्षत्, मुद्रा रखें। कलश के गले में मोली लपेटें। नारियल पर वस्त्र लपेट कर कलश पर

रखें। हाथ में अक्षत् और पुष्प लेकर कलश की स्थापना करें।

कलशस्य मुखे विष्णुः कण्ठे रुद्रः समाश्रितः।
मूले त्वय स्थितो ब्रह्मा मध्ये मातृगणाः स्मृताः।।
गंगे च यमुने च ऐव गोदावरि सरस्वती।
नर्मदे सिन्धुकोवेरि जलेऽस्मिन् संनिधिं कुरु।।

इस मंत्र से इंद्र का ध्यान करें:

ऐरावतसमारूढो वज्रहस्तो महाबलः।
शतयज्ञाधिपो देवस्तमा इंद्राय ते नमः।।

इस मंत्र से कुबेर का ध्यान करें:

धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च।
भवंतु त्वत्प्रसादान्मे धनधान्यादिसम्पदः।।

अब माता लक्ष्मी का ध्यान करें:

ॐ या सा पद्मासनस्था, विपुल-कटि-तटी, पद्म-दलायताक्षी।
गम्भीरावर्त-नाभिः, स्तन-भर-नमिता, शुभ्र-वस्त्रोत्तरीया।।
लक्ष्मी दिव्यैर्गजेन्द्रैः। मणि-गज-खचितैः, स्नापिता हेम-कुम्भैः।
नित्यं सा पद्म-हस्ता, मम वसतु गृहे, सर्व-मांगल्य-युक्ता।।

इसके बाद लक्ष्मी देवी की प्रतिष्ठा करें। हाथ में अक्षत् लेकर बोलें:

ॐ भूर्भुवः स्वः महालक्ष्मी, इहागच्छ इहतिष्ठ,
एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम।

प्रतिष्ठा के बाद स्नान कराएं: ॐ मन्दाकिन्या समानीतैः, हेमाम्भोरुह-वासितैः स्नानं कुरुष्व देवेशि, सलिलं च सुगन्धिभिः।। ॐ लक्ष्म्यै नमः।। इदं रक्त चंदनम् लेपनम् से रक्त चंदन लगाएं। इदं सिन्दूराभरणं से सिन्दूर लगाएं। ॐ मन्दार-पारिजाताद्यैः, अनेकैः कुसुमैः शुभैः। पूजयामि शिवे, भक्तया, कमलायै नमो नमः।।

इस मंत्र से पुष्प चढ़ाएं, फिर माला पहनाएं: ॐ लक्ष्म्यै नमः, पुष्पाणि समर्पयामि।

अब लक्ष्मी देवी को इदं रक्त वस्त्र समर्पयामि कहकर लाल वस्त्र पहनाएं।

लक्ष्मी देवी की अंग पूजा: बायें हाथ में अक्षत् लेकर दायें हाथ से थोड़ा-थोड़ा छोड़ते जायें:

ऊं चपलायै नमः पादौ पूजयामि
ऊं चंचलायै नमः जानूं पूजयामि,
ऊं कमलायै नमः कटि पूजयामि,
ऊं कात्यायिन्यै नमः नाभि पूजयामि,
ऊं जगन्मातरे नमः जठरं पूजयामि,
ऊं विश्ववल्लभायै नमः वक्षस्थल पूजयामि,
ऊं कमलवासिन्यै नमः भुजौ पूजयामि,
ऊं कमल पत्राक्ष्य नमः नेत्रत्रयं पूजयामि,
ऊं श्रियै नमः शिरः पूजयामि।

अष्टसिद्धि पूजा: अंग पूजन की भांति हाथ में अक्षत् लेकर मंत्रोच्चारण करें।

ऊं अणिम्ने नमः, ओं महिम्ने नमः, ऊं गरिम्णे नमः, ओं लघिम्ने नमः,
ऊं प्राप्त्यै नमः ऊं प्राकाम्यै नमः, ऊं ईशितायै नमः ओं वशितायै नमः।

अष्टलक्ष्मी पूजनः अंग पूजन एवं अष्टसिद्धि पूजा की भांति हाथ में अक्षत लेकर मंत्रोच्चारण करें। ऊं आद्ये लक्ष्म्यै नमः, ओं विद्यालक्ष्म्यै नमः, ऊं सौभाग्य लक्ष्म्यै नमः, ओं अमृत लक्ष्म्यै नमः, ऊं लक्ष्म्यै नमः, ऊं सत्य लक्ष्म्यै नमः, ऊं भोगलक्ष्म्यै नमः, ऊं योग लक्ष्म्यै नमः।

नैवैद्य अर्पण : पूजन के पश्चात् देवी को इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं महालक्ष्म्यै समर्पयामि मंत्र से नैवैद्य अर्पित करें। प्रसाद अर्पित करने के बाद आचमन करायें। इदं आचमनयं ऊं महालक्ष्मयै नमः। इसके बाद पान सुपारी चढ़ायें: इदं ताम्बूल पुंगीफल समायुक्तं ऊं महालक्ष्मयै समर्पयामि। अब एक फूल लेकर लक्ष्मी देवी पर चढ़ाएं और बोलें: एषः पुष्पान्जलि ऊं महालक्ष्मयै नमः।

क्षमा प्रार्थना करें:

आवाहनं न जानामि न जानामि तवार्चनम्।।
पूजां चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वरि।।
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वरि।
यत्पूजितं मया देवि परिपूर्ण तदस्तु मे।।
त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वम् मम देवदेव।
पापोऽहं पापकर्माहं पापात्मा पापसम्भवः।
त्राहि माम् परमेशानि सर्वपापहरा भव।।
अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वरि।।

पूजन समर्पण : हाथ में जल लेकर निम्न मंत्र बोलें : 'ॐ अनेन यथाशक्ति अर्चनेन श्री महालक्ष्मीः प्रसीदतुः' (जल छोड़ दें, प्रणाम् करें)

विसर्जन : हाथ में अक्षत् लें (गणेश एवं महालक्ष्मी की प्रतिमा को छोड़कर अन्य सभी) प्रतिष्ठित देवताओं को अक्षत् छोड़ते हुए निम्न मंत्र से विसर्जन कर्म करें :

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम्।
इष्टकामसमृद्धयर्थं पुर्नअपि पुनरागमनाय च ।।
ॐ आनंद ! ॐ आनंद !! ॐ आनंद !!!

पूजन के पश्चात् सपरिवार सर्वप्रथम श्रीगणेश और मां महालक्ष्मी की आरती करें। (आरती करके जल छोड़ें। पूजा में शामिल सभी को आरती दें।)

कर्पूर आरती: कर्पूर गौरं करूणावतारं संसार सारं भुजगेन्द्र हारम्।
सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानी सहितं नमामि।।

Dronacharya Public School

Fully Airconditioned Toddlers' Studio Pre Primary Wing

Happy Deepawali

Admission Open

for session 2026-27

Nur. To IX & XI

(All Streams)

Naveen Chaudhary

Chairman

Sector 23A, Faridabad

Sec 56, Samaypur Sohna Road, Kaboolpur, Faridabad.

(10+2 Affiliated to CBSE New Delhi)

for more info

Call 9555444888

Website www.dronacharyaschoolfbd.in

Email dronaschoolfbd@gmail.com

RBA DENTAL CARE

Super Speciality RCT, Implants & Braces Centre

CERTIFIED INVISALIGN PROVIDER

NABH

Happy Diwali

RBA Dental Care wishes you a joyous Diwali filled with light, love, and prosperity.
May your home glow with happiness and your heart shine with peace and positivity.

Dr. Puneet Ahuja
BDS, MDS(Chennai), COI(USA)
SENIOR ENDODONTIST & IMPLANTOLOGIST
Ex Post Graduate Inst of Medical Sciences, Rohtak

Dr. Puneeta Duggal Ahuja
(Gold Medalist: RGUHS, Karnataka)
BDS, MDS(Bangalore), CFMR(USA)
SENIOR ENDODONTIST & IMPLANTOLOGIST

EMPANELLED WITH CGHS, CAPF, CERC & SAI

Centre: Ground Floor, Plot No-17
Sector-15 (Opp. Sector-15 Market),
Faridabad

Book An Appointment
8860672002
www.rbadentalcare.com

Follow Us

VIDYASAGAR
INTERNATIONAL SCHOOL
"संस्कार ही शिक्षा है!"

आरती गणेश जी की

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

एक दंत दयावंत, चार भुजा धारी।
माथे सिंदूर सोहे मूसे की सवारी॥
जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा...
पान चढ़े फल चढ़े, और चढ़े मेवा।
लड्डुअन का भोग लगे संत करें सेवा॥
जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा...
अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया ।
बांझन को पुत्र देत निर्धन को माया॥
जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा...
सूर श्याम शरण आए, सफल कीजे सेवा।
जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा...
दीनन की लाज रखो, शंभु सुतकारी ।
कामना को पूर्ण करो जाऊं बलिहारी ॥
जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा...

Affiliated to CBSE up to 12th Class
D. C. Model Sr. Sec. School
Best Chain of School Since 1942

Astha Gupta, Principal
Admission Open
For the session 2026-27
Mother's Lap, KG to Grade IX & XI*
Sector-9, Near Church, Faridabad-121006
8750663000 dcmodelfbd
dcmodelschoolfaridabad
dcmodelschool.com
dcmodelfaridabad@gmail.com

आरती महालक्ष्मी जी की

जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता
तुमको निसदिन सेवत, हर विष्णु ध्याता॥ जय लक्ष्मी माता....
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम जग की माता
सूर्य चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥ जय लक्ष्मी माता....
दुर्गारूप निरंजन, सुख संपत्ति दाता
जो कोई तुमको ध्याता, ऋद्धि सिद्धी पाता॥ जय लक्ष्मी माता....
तुम पाताल निवासिनी, तुम ही शुभदाता
कर्मप्रभाव प्रकाशनी, भवनिधि की त्राता॥ जय लक्ष्मी माता....
जिस घर में तुम रहती हो, सब सद्गुण आता
सब संभव हो जाता, मन नहीं घबराता॥ जय लक्ष्मी माता....
तुम बिन यज्ञ ना होता, वस्त्र न कोई पाता
खान पान का वैभव, सब तुमसे आता॥ जय लक्ष्मी माता....
शुभ गुण मंदिर, सुंदर क्षीरोदधि जाता
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता॥ जय लक्ष्मी माता....
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई जन गाता
उर आंनद समाता, पाप उतर जाता॥ जय लक्ष्मी माता....

आरती जगदीश्वर जी की

जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट, क्षण में दूर करे ॥ ओ३म
जो ध्यावे फल पावे, दुख बिनसे मन का ।
सुख सम्पति घर आवे, कष्ट मिटे तन का॥ ओ३म
मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ मैं किसकी ।
तुम बिन और न दूजा, आस करूँ मैं जिसकी ॥ ओ३म
तुम पूरण परमात्मा, तुम अंतरयामी ।
पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी ॥ ओ३म
तुम करुणा के सागर, तुम पालनकर्ता ।
मैं सेवक तुम स्वामी, कृपा करो भर्ता ॥ ओ३म

तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूँ दयामय, तुमको मैं कुमति ॥ ओ३म
दीनबंधु दुखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे ।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ॥ ओ३म
विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा ॥ ओ३म
तन, मन, धन, सबकुछ है तेरा,
तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ॥ ओ३म

आरती अम्बे जी की

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी
तुमको निसदिन ध्यावत हरि ब्रह्मा शिवजी। जय अम्बे...
माँग सिन्दूर विराजत टीको मृगमद को
उज्ज्वल से दोउ नैना चन्द्र बदन नीको। जय अम्बे...
कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजे
रक्त पुष्प गल माला कण्ठ हार साजे। जय अम्बे...
केहरि वाहन राजत खड्ग खप्पर धारी
सुर नर मुनिजन सेवत तिनके दुख हारी। जय अम्बे...
कानन कुण्डल शोभित नासाग्रे मोती
कोटिक चन्द्र दिवाकर समराजत ज्योति। जय अम्बे...

शुम्भ निशुम्भ बिदारे महिषासुर धाती
धूम्र विलोचन नैना निशदिन मदमाती। जय अम्बे...
चण्ड मुण्ड संहारे शोणित बीज हरे
मधु कैटभ दोउ मारे सुर भयहीन करे। जय अम्बे...
ब्रह्माणी रुद्राणी तुम कमला रानी
आगम निगम बखानी तुम शिव पटरानी। जय अम्बे...
चौंसठ योगिनी गावत नृत्य करत भैरों
बाजत ताल मृदंग और बाजत डमरू। जय अम्बे...
तुम हो जग की माता तुम ही हो भर्ता
भक्तन की दुख हर्ता सुख सम्पति कर्ता। जय अम्बे...
भुजा चार अति शोभित वर मुद्रा धारी
मन वाँछित फल पावत सेवत नर नारी। जय अम्बे...
कंचन थाल विराजत अगर कपूर बाती
माल केतु में राजत कोटि रतन ज्योती। जय अम्बे...
माँ अम्बेजी की आरती जो कोई जन गावे
कहत शिवानन्द स्वामी सुख सम्पति पावे। जय अम्बे...

आरती शिव जी की

जय शिव ओंकारा, स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा॥ जय...
एकानन चतुरानन पंचानन राजे।
हंसासन गरूड़ासन वृषवाहन साजे॥ जय...
दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे।
त्रिगुण रूप निरखते त्रिभुवन जन मोहे॥ जय...
अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी।
त्रिपुरारी कंसारी कर माला धारी॥ जय...
श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे।
सनकादिक गरुणादिक भूतादिक संगे॥ जय...

कर के मध्य कमण्डलु चक्र त्रिशूलधारी।
सुखकारी दुखहारी जगपालन कारी॥ जय...
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।
मधु-कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे॥ जय...
लक्ष्मी व सावित्री पार्वती संगा।
पार्वती अर्द्धांगी, शिवलहरी गंगा॥ जय...
पर्वत सोहैं पार्वती, शंकर कैलासा।
भांग धतूर का भोजन, भस्मी में वासा॥ जय...
जटा में गंग बहत है, गल मुण्डन माला।
शेष नाग लिपटावत, ओढ़त मृगछाला॥ जय...
काशी में विराजे विश्वनाथ, नन्दी ब्रह्मचारी।
नित उठ दर्शन पावत, महिमा अति भारी॥ जय...
त्रिगुणस्वामी जी की आरति जो कोइ नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी, मनवान्छित फल पावे॥ जय...

आरती हनुमान जी की

आरती कीजै हनुमान लला की।
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की॥
जाके बल से गिरिवर काँपे, रोग दोष जाके निकट न झाँके।
अंजनि पुत्र महा बलदायी, संतन के प्रभु सदा सहायी॥ आरती..

दे बीड़ा रघुनाथ पठाये, लंका जाय सिया सुधि लाये।
लंका सौ कोटि समुद्र सी खाई, जात पवनसुत बार न लाई॥आरती..
लंका जारि असुर संघारे, सिया रामजी के काज संवारे।
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे, लाए संजीवन प्राण उबारे॥ आरती..
पैठि पाताल तोरि यम कारे, अहिरावन की भुजा उखारे।
बाँये भुजा असुरदल मारे, दाहिने भुजा संत जन तारे॥ आरती..
सुर नर मुनि जन आरति उतारें, जय जय जय हनुमान उचारें।
कंचन थार कपूर लौ बाती, आरती करत अंजना माई॥ आरती..
जो हनुमान जी की आरति गावे, बसि वैकुण्ठ परम पद पावे।
लंक विध्वंस किये रघुराई, तुलसीदास स्वामी कीर्ति गाई। आरती..

आरती कुंजबिहारी जी की

आरती कुँज बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की॥
गले में वैजन्ती माला, बजावे मुरली मधुर बाला,
श्रवण में कुण्डल झलकाला, नन्द के आनन्द नन्दलाला
राधिका रमण बिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की॥
गगन सम अंग कान्ति काली, राधिका चमक रही आली,
लतन में ठाड़े वनमाली, भ्रमरसीअलक,
कस्तूरीतिलक,चन्द्रसी झलक
ललित छवि श्यामा प्यारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
कनकमय मोर मुकुट बिलसै, देवता दरसन को तरसै,
गगन सों सुमन राशि बरसै, बजे मुहचंग, मधुर मृदंग, ग्वालिनी संग
अतुल रति गोप कुमारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
जहाँ से प्रगट भयी गंगा, कलुष कलि हारिणि श्री गंगा,
स्मरण से होत मोह भंगा, बसी शिव शीश,
जटा के बीच, हरे अध कीच
चरण छवि श्री बनवारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
चमकती उज्ज्वल तट रेणु, बाज रही बृन्दावन वेणु,
चहुँ दिसि गोपि ग्वाल धेनु,हसत मृद मंग,

चाँदनि चन्द, कटत भव फन्द
टेर सुन दीन भिखारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की॥

आरती रामचन्द्र जी की

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन, हरण भवभय दारुणम्
नव कंज लोचन, कंज मुख कर कंज पद कंजारुणम्॥ श्रीराम...
कन्दर्प अगणित अमित छवि, नव नील नीरद सुन्दरम्
पट पीत मानहुं तड़ित रूचि-शुचि नौमि जनक सुतावरम्॥श्रीराम...
भजु दीनबंधु दिनेश दानव दैत्य वंश निकन्दनम्
रघुनन्द आनन्द कन्द कौशल चन्द्र दशरथ नन्दनम्॥ श्रीराम...
सिर मुकुट कुंडल तिलक चारू उदारु अंग विभूषणम्
आजानुभुज शर चाप-धर, संग्राम जित खरदूषणम्॥ श्रीराम...
इति वदति तुलसीदास, शंकर शेष मुनि मन रंजनम्
मम हृदय कंज निवास कुरु, कामादि खल दल गंजनम्॥ श्रीराम...
मन जाहि राचेऊ मिलहि सो वर सहज सुन्दर सांवरो
करुणा निधान सुजान शील सनेह जानत रावरो॥ श्रीराम...
एहि भांति गौरी असीस सुन सिय हित हिय हरषित अली
तुलसी भवानिहि पूजी पुनि-पुनि मुदित मन मन्दिर चली॥ श्रीराम...

आरती तुलसी माता जी की

जय जय तुलसी माता, ओम् जय तुलसी माता,

सब जग की सुख दाता, वर दाता।। जय जय तुलसी...
सब योगों के ऊपर, सब रोगों के ऊपर
रुज से रक्षा करके भव त्राता।। जय जय तुलसी...
हे बहु पुत्री हे श्यामा, सुर बल्ली हे ग्राम्या
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवत, सो नर तर जाता।। जय जय तुलसी...
हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वन्दित
पतित जनों की तारिणी तुम हो विख्याता।। जय जय तुलसी...
लेकर जन्म विजन में, आई दिव्य भवन में
मानवलोक तुम्हीं से, सुख संपति पाता।। जय जय तुलसी...
हरि को तुम अति प्यारी, श्यामवरण सुकुमारी
मुरलीधर तब चेरो कृपा करो माता।। जय जय तुलसी...

आरती वैष्णो माता जी की

जय वैष्णो माता, मैया जय वैष्णो माता।
हाथ जोड़ तेरे आगे, आरती मैं गाता॥
शीश पे छत्र विराजे, मूरतिया प्यारी।
गंगा बहती चरनन, ज्योति जगे न्यारी॥
ब्रह्मा वेद पढ़े नित द्वारे, शंकर ध्यान धरे।
सेवक चंवर डुलावत, नारद नृत्य करे॥
सुन्दर गुफा तुम्हारी, मन को अति भावे।
बार-बार देखन को, ऐ माँ मन चावे॥
भवन पे झण्डे झूलें, घंटा ध्वनि बाजे।
ऊँचा पर्वत तेरा, माता प्रिय लागे॥
पान सुपारी ध्वजा नारियल, भेंट पुष्प मेवा।
दास खड़े चरणों में, दर्शन दो देवा॥
जो जन निश्चय करके, द्वार तेरे आवे।
उसकी इच्छा पूरण, माता हो जावे॥
इतनी स्तुति निश-दिन, जो नर भी गावे।
कहते सेवक ध्यानू, सुख सम्पत्ति पावे॥

आरती शनिदेव जी की

जय जय श्री शनिदेव भक्तन हितकारी।
सूरज के पुत्र प्रभु छाया महतारी॥ जय जय श्री शनि...
श्याम अंग वक्र-दृष्टि चतुर्भुजा धारी।
निलाम्बर धार नाथ गज की असवारी॥ जय जय श्री शनि...
किरीट मुकुट शीश सहज दिपत है लिलारी।
मुक्तन की माल गले शोभित बलिहारी॥ जय जय श्री शनि...
मोदक और मिष्ठान चढ़े, चढ़ती पान सुपारी।
लोहा, तिल, तेल, उड़द महिषी है अति प्यारी॥ जय जय श्री शनि...
देव दनुज ऋषि मुनि सुमिरत नर नारी।
विश्वनाथ धरत ध्यान हम हैं शरण तुम्हारी॥ जय जय श्री शनि...

आरती एकादशी जी की

जय एकादशी, जय एकादशी, जय एकादशी माता।
विष्णु पूजा व्रत को धारण कर, शक्ति मुक्ति पाता॥ जय...
तेरे नाम गिनाऊं देवी, भक्ति प्रदान करनी।
गण गौरव की देनी माता, शास्त्रों में वरनी॥ जय...
मार्गशीर्ष के कृष्णपक्ष की उत्पन्ना, विश्वतारनी जन्मी।
शुक्ल पक्ष में हुई मोक्षदा, मुक्तिदाता बन आई॥ जय...
पौष के कृष्णपक्ष की, सफला नामक है।

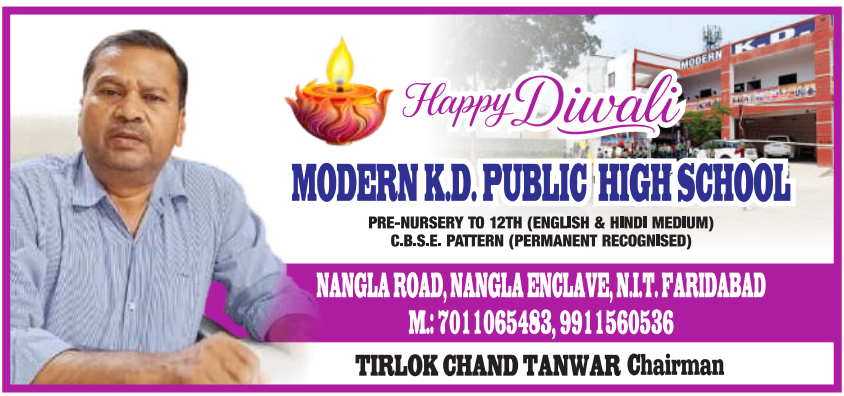

शुक्लपक्ष में होय पुत्रदा, आनन्द अधिक रहै॥ जय...
नाम षटतिला माघ मास में, कृष्णपक्ष आवै।
शुक्लपक्ष में जया, कहावै, विजय सदा पावै॥ जय...
विजया फागुन कृष्णपक्ष में शुक्ला आमलकी।
पापमोचनी कृष्ण पक्ष में, चैत्र महाबलि की॥ जय...
चैत्र शुक्ल में नाम कामदा, धन देने वाली।
नाम बरुथिनी कृष्णपक्ष में, वैसाख माह वाली॥ जय...
शुक्ल पक्ष में होय मोहिनी अपरा ज्येष्ठ कृष्णपक्षी।
नाम निर्जला सब सुख करनी, शुक्लपक्ष रखी॥ जय...
योगिनी नाम आषाढ में जानों, कृष्णपक्ष करनी।
देवशयनी नाम कहायो, शुक्लपक्ष धरनी॥ जय...
कामिका श्रावण मास में आवै, कृष्णपक्ष कहिए।
श्रावण शुक्ला होय पवित्रा आनन्द से रहिए॥ जय...
अजा भाद्रपद कृष्णपक्ष की, परिवर्तिनी शुक्ला।
इन्द्रा आश्विन कृष्णपक्ष में, व्रत से भवसागर निकला॥ जय...
पापांकुशा है शुक्ल पक्ष में, आप हरनहारी।
रमा मास कार्तिक में आवै, सुखदायक भारी॥ जय...
देवोत्थानी शुक्लपक्ष की, दुखनाशक मैया।
पावन मास में करूं विनती पार करो नैया॥ जय...
परमा कृष्णपक्ष में होती, जन मंगल करनी।
शुक्ल मास में होय पद्मिनी दुख दारिद्र हरनी॥ जय...
जो कोई आरती एकादशी की, भक्ति सहित गावै।
जन गुरदिता स्वर्ग का वासा, निश्चय वह पावै॥ जय...

आरती खाटू श्याम जी की

जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे॥ जयश्री...
रतन जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर दुरे।
तन केसरिया बागो, कुण्डल श्रवण पड़े॥ जयश्री...

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले॥ जयश्री...
मोदक खीर चूरमा, सुवरण थाल भरे।
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे॥ जयश्री...
झांझ कटोरा और घड़ियावल, शंख मृदंग धुरे।
भक्त आरती गावे, जय-जयकार करे॥ जयश्री...
जो ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे।
सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे॥ जयश्री...
श्री श्याम बिहारीजी की आरती, जो कोई नर गावे।
कहत आलूसिंह स्वामी, मनवांछित फल पावे॥ जयश्री...
तन मन धन सब कुछ है तेरा, हो बाबा सब कुछ है तेरा।
तेरा तुझको अर्पण, क्या लोग मेरा॥ जयश्री...
जय श्री श्याम हरे, बाबा जी जय श्री श्याम हरे।
निज भक्तों के तुमने, पूरण काज करे॥ जयश्री...

आरती पार्वती जी की

जय पार्वती माता जय पार्वती माता
ब्रह्म सनातन देवी शुभ फल की दाता ।। टेक ।।
अरि कुल पदमा बिनासिन निज सेवक त्राता,
जगजीवन जगदंबा हरि गुण गाता।। जय...

सिंहज वाहन साजै लूंकड़ रह साथा।
देववधू जहं गावत निरत करत ताथा।। जय...
सतयुग रूप शील अति संदर नाम सती कहाता,
हेमांचल घर जन्मी सखियन रंग राता।। जय...
शुंभ निशुंभ विदारे हिमाचल स्थाता,
सहस्त्र भुजा तनुधर के चक्र लिया हाथा।। जय...
सृष्टि रूप तुहि जननी शिव संग रंग राता,
नंदी भृंगी बीन लहीं ये रहा मनमाता।। जय...
दे वर अरज करत हम मन चित कूं लाता,
गावत दे दे ताली मन में रंग छाता।। जय...
श्री प्रताप आरती मैया की जो कोई जन गाता,
सर्व सुखी नित रहता सुख संपत्ति पाता।। जय...

आरती सरस्वती जी की

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता।
सद्गुण वैभव् शालिनि, त्रिभुवन विख्याता।।
चन्द्रवदनि पद्मासिनि, द्युति मंगलकारी।
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी।। मैया जय..
बाएं कर में बीणा, दाएं कर माला।
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला।। मैया जय...
देवि शरण जो आए, उनका उद्धार किया।
पैठि मंथरा दासी, रावण संहार किया।। मैया जय...
विद्या ज्ञान प्रदायिनि ज्ञान प्रकाश भरो।
मोह, अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो।। मैया जय...
धूप दीप फल मेवा, मां स्वीकार करो।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो।। मैया जय...
मां सरस्वती की आरती, जो कोई नर गावे।
हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे।। मैया जय..

आरती साईंबाबा जी की

आरती उतारें हम तुम्हारी सांई बाबा।
चरणों में तेरे हम पुजारी सांई बाबा।
विद्या बल बुद्धि, बंधु माता पिता हो।
तन मन धन प्राण, तुम ही सखा हो।
हे जगदाता अवतारे, सांई बाबा। आरती उतारें...
ब्रह्मा के सगुण अवतार तुम स्वामी।
ज्ञानी दयावान प्रभु अंतरयामी।
सुन लो विनती हमारी सांई बाबा। आरती उतारें...
आदि हो अंनत त्रिगुणात्मक मूर्ति।
सिंधु करुणा के हो उद्धारक मूर्ति।
शिरडी के संत चमत्कारी सांई बाबा। आरती उतारें...
भक्तों की खातिर, जनम लिए तुम।
प्रेम ज्ञान सत्य स्नेह, मरम दिए तुम।
दुखिया जनों के हितकारी सांई बाबा। आरती उतारें...

आरती अग्रसेन जी की

जय श्री अग्र हरे, स्वामी जय श्री अग्र हरे।
कोटि-कोटि नत मस्तक, सादर नमन करे।। ओउम् जय श्री.....
आश्विन शुक्ला एक नृप बल्लभ जाये।
अग्रवंश संस्थापक, नागवंश भ्याहे।। ओउम् जय श्री.....
केसरिया ध्वज फहरे, छत्र चंवर धारी।
झांझ, नफीरी, नौबत बाज तव द्वारो।। ओउम् जय श्री.....
अग्रोहा राजधानी, इन्द्र शरण आये।
गोत्र अठारह अनुपम, तेरे गुण गाये।। ओउम् जय श्री.....
सत्य अहिंसा पालक, न्याय नीति समता।
ईंट-रूपये की रीति, प्रकट करे माता।। ओउम् जय श्री.....
ब्रह्मा, विष्णु, शंकर, वर सिंहनी दीन्हा।
कुल देवी महामाया, वैश्य कर्म कीन्हा।। ओउम् जय श्री.....

आप सभी क्षेत्रवासियों को
दीपावली
भैया दूज, गौवर्धन एवं छठ पर्व
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
परमपिता परमात्मा, मां महालक्ष्मी
आप सब पर अपनी कृपा , करुणा बरसायें।
आप सबको धन, यश, कीर्ति,
स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें।
भाई मुकेश डागर
निगम पार्षद वार्ड एक

अग्रसेन जी की आरती, जो कोई नर गाये।
कहत त्रिलोक विनय से सुख संपत्ति पाये।। ओउम् जय श्री.....

आरती काली माता जी की

अंबे तू है जगदंबे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली।
तेरे ही गुन गावे भारती, ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती।।
उतारें तेरी आरती। महाकाली तेरी आरती....
तेरे भक्तजनों पर माता भीड़ पड़ी है भारी।
दानव दल पर टूट पड़ो माँ करके सिंह सवारी।।
सौ सौ सिंहों से है बलशाली है दस भुजाओं वाली।।
दुखियों के दुख निवारती। ओ मैया.....
माँ बेटे का है इस जग में बड़ा ही निर्मल नाता।
पूत कपूत सुने हैं पर ना माता सुनी कुमाता।।
सब पे करूना बरसाने वाली अमृत बरसाने वाली।
दुखियों के दुख निवारती। ओ मैया...
ना मांगें हम धन और दौलत ना चांदी ना सोना।
हम तो मांगें माँ तेरे मन में एक छोटा सा कौना।।
सबकी बिगड़ी बनाने वाली लाज बचाने वाली।
सतियों के सत् को संवारती। ओ मैया...

आरती शीतला माता जी की

जय शीतला माता। मैया जय शीतला माता,
आदि ज्योति महारानी सब फल की दाता। जय...
रतन सिंहासन शोभित, श्वेत छत्र भाता,
ऋद्धिसिद्धि चंवर डोलावें, जगमग छवि छाता। जय...
विष्णु सेवत ठाढ़े, सेवें शिव धाता,
वेद पुराण बरणत पार नहीं पाता। जय...
इन्द्र मृदंग बजावत चन्द्र वीणा हाथा,
सूरज ताल बजाते नारद मुनि गाता। जय...

घंटा शंख शहनाई बाजै मन भाता,
करै भक्त जन आरती लखि लखि हरहाता। जय...
ब्रह्म रूप वरदानी तुही तीन काल ज्ञाता,
भक्तन को सुख देनौ मातु पिता भ्राता। जय...
जो भी ध्यान लगावैं प्रेम भक्ति लाता,
सकल मनोरथ पावे भवनिधि तर जाता। जय...
रोगन से जो पीड़ित कोई शरण तेरी आता,
कोढ़ी पावे निर्मल काया अन्ध नेत्र पाता। जय...
बांझे पुत्र को पावे दारिद कट जाता,
ताको भजै जो नाहीं सिर धुनि पछिताता। जय...
शीतल करती जननी तू ही है जग त्राता,
उत्पत्ति व्याधि विनाशत तू सब की धाता। जय...
दास विचित्र कर जोड़े सुन मेरी माता,
भक्ति आपनी दीजै और न कुछ भाता। जय...

आरती गायत्री माता जी की

ज्ञानदीप और श्रद्धा की बाती।
सो भक्ति ही पूर्ति करै जहं घी की॥
आरती श्री गायत्रीजी की॥
मानस की शुचि थाल के ऊपर।
देवी की ज्योत जगै, जहं नीकी॥
आरती श्री गायत्रीजी की॥
शुद्ध मनोरथ ते जहां घण्टा।
बाजैं करै आसुह ही की॥
आरती श्री गायत्रीजी की॥
जाके समक्ष हमें तिहुं लोक कै।
गद्दी मिलै सबहुं लगै फीकी॥
आरती श्री गायत्रीजी की॥

संकट आवैं न पास कबौ तिन्हें।
सम्पदा और सुख की बनै लीकी॥
आरती श्री गायत्रीजी की॥
आरती प्रेम सौ नेम सो करि।
ध्यावहिं मूरति ब्रह्म लली की॥
आरती श्री गायत्रीजी की॥

आरती बाबा मोहनराम

दुःख भय चिंता रोग दूर हों खुशियाँ मिलें अपार।
मिलकर बोलो सभी मोहन बाबा की जय जयकार।।
जगमग जगमग जोत जगी है, मोहन आरती होन लगी है।
पर्वत खोली का सिंहासन, जिस पर मोहन लगावे आसन।।
आ मंदिर में देवें भाषण, उस मोहन की जोत जगी है। जगमग-2 जोत..
कलियुग में अवतार लिये हैं, पर्वत ऊपर वास किये हैं।
गाँव मिलकपुर मंदिर तेरा, जहाँ दुखियों का लग रहा डेरा।।
ज्ञान का वहाँ भंडार भरा है, सीता फल का वृक्ष खड़ा है। जगमग-2 जोत..
यहाँ पर दिल तुम रखो सच्चा, सभी है इसमें बूढ़ा बच्चा।
प्रेम से मिलकर शक्कर बांटो, बाबा जी का जोहड़ छाटो।
उस मोहन की जोत जगी है। जगमग-2 जोत..

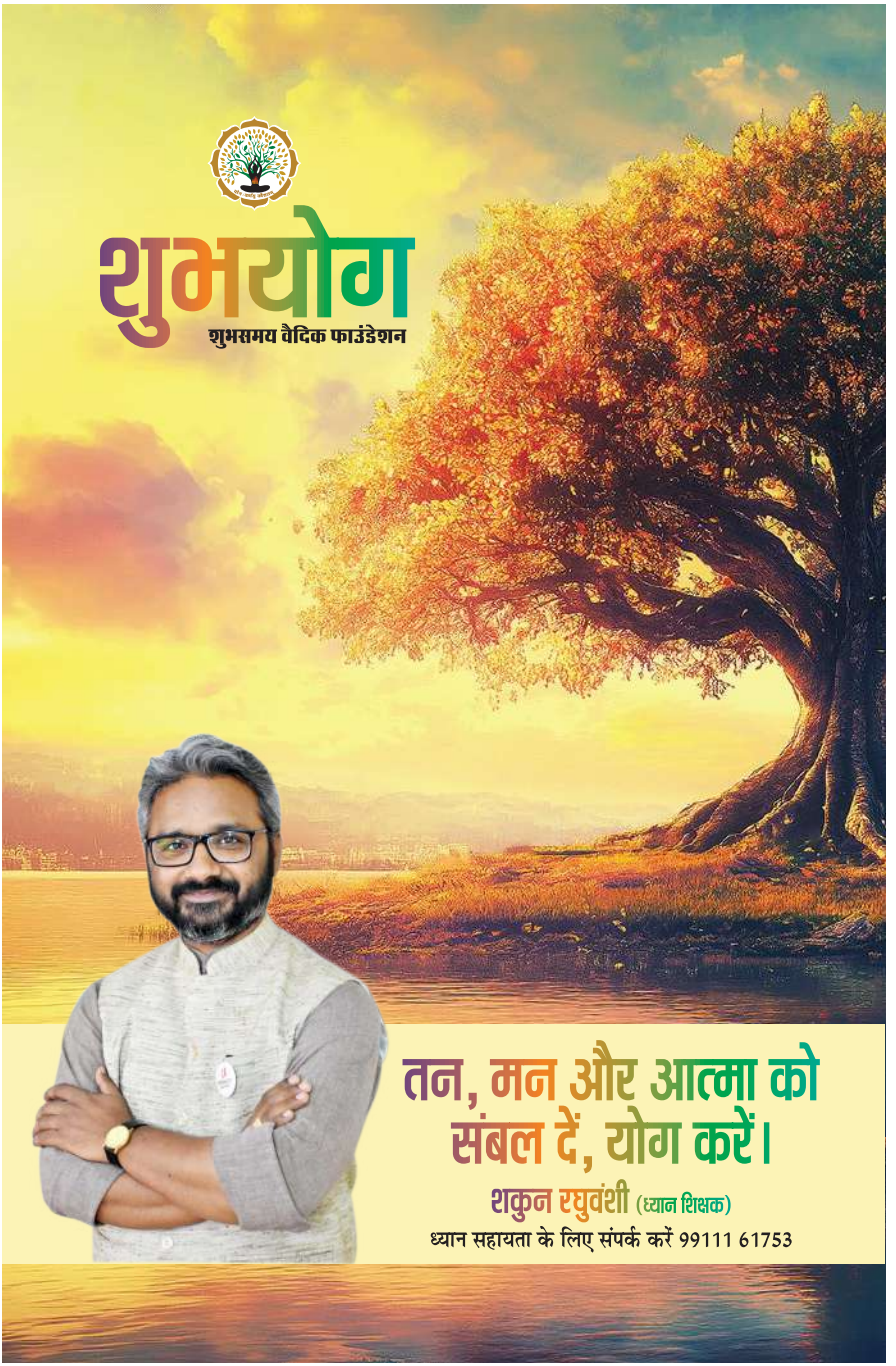

शुभयोग
शुभसमय वैदिक फाउंडेशन
तन, मन और आत्मा को
संबल दें, योग करें।
शकुन रघुवंशी (ध्यान शिक्षक)
ध्यान सहायता के लिए संपर्क करें 99111 61753

अंधे को तुम नेत्र देते, कोढ़िन को देते हो काया।
बांझन को तुम पुत्र देते, निर्धन को देते हो माया।।
नंदू जी को तुम दर्शाये। गांव मिलकपुर मंदिर बनवाये।। जगमग-2 जोत..
शिवजी का वहाँ वास बनायो, अपनी माया को दर्शायो।
भक्तों की है यही विनती, प्रेम से मिलकर बोलो आरती।।
उस मोहन की जोत जगी है, मोहन आरती होने लगी है। जगमग-2 जोत..

आरती विश्वकर्मा जी की

ओउम् जय श्री विश्वकर्मा, प्रभु जय श्री विश्वकर्मा
सकल सृष्टि के कर्ता, रक्षक श्रुति धर्मा ओउम् जय.....
आदि सृष्टि में विधि को, श्रुति उपदेश दिया
जीव मात्र का जग में, ज्ञान विकास किया ओउम् जय.....
ऋषि अंगिरा ने तप से, शांति नहीं पाई
ध्यान किया जब प्रभु का, सकल सिद्ध आई ओउम् जय.....
रोग ग्रस्त राजा ने, जब हाश्रय लेना
संकट मोचन बनकर, दुख दूर कीना ओउम् जय.....
जब स्थकार दंपति, तुकरी टेर करी
सुनकर दीन प्रार्थना, विपत्ति हरी सगरी।।ओउम् जय.....
एकानन चतुरानन, पंचानन राजे।
द्विभुज, चतुर्भुज दसभुज, सकल रूप साजे।। ओउम् जय.....
ध्यान धरे जब पद का, सकल सिद्धी आवे।
मन दुविध मिट जावे, अटल शांति पावे।। ओउम् जय.....
श्री विश्वकर्मा जी की आरती जो कोई नर गावे।
कहत गजानंद स्वामी सुख संपत्ति पावे।। ओउम् जय.....

भगवान नारायण का लघु मंत्र ॐ नमो नारायणाय
लक्ष्मीजी का लघु मंत्र श्रीं श्रियै नमः

सम्पूर्ण महामृत्युंजय मंत्र

ॐ हौं जूं सः ॐ भूर्भुवः स्वः
ॐ त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्
ॐ स्वः भुवः भूः ॐ सः जूं हौं ॐ

गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि
धियो यो नः प्रचोदयात।

आरती श्री गुरु महाराज जी की

ओम् जय श्री गुरूदेवा, स्वामी जय श्री गुरूदेवा।
तुम्हरी शरण में आकर सदा करूँ सेवा।।
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव तुम सद्गुरू मेरे।
तुम्हरी शरण में आकर भाग जगे मेरे।।
दीन दुखिन के संबल तुम सबके दाता।
तुम्हरी दया का स्वामी पार नहीं पाता।।
तुम दासन के ठाकुर तुम रक्षक दाता।
तुम्हरे रूप अनेकों कहा नहीं जाता।।
तुम्हारा सिमरन करके शक्ति मिले दाता।
तुम्हरे दरसन करके पाप उतर जाता।।
तुम नारायण स्वामी तुम ही इष्ट देवा।
तुम्हरी लीला न्यारी तुम देवन देवा।।
सद्गुरू देव की आरती जो कोई जन गावे।
कहे दासन को दासा सुख संपत्ति पावे।।

KCM WORLD SCHOOL, PALWAL

VIDYADHAM JEE/NEET

IIT JEE
Advanced 2025

YUVRAJSINGH
Electrical Engineering
IIT Roorkee

ANURAGSINGH
Chemical Engineering
IIT Delhi

SAKSHAMBHARDWAJ
Electronics & Communication Engineering
IIT Roorkee

DHRUV KUMAR

YASHI GOYAL

MONIKA

PARKHI JAIN

SAATVIK GARG

NISHANT

RITESH POSWAL

YASH BAGHEL

PRATEEK TEWATIA

GAURAV

VEDIKA

MISHTHA GARG

CHHAVI AGRAWAL

MIRNAAL

SHRESTH KOLI

NISHANT SHARMA

TUSHAR GOYAL

SOMAY SHERAWAT

ANKUR ATTRI

DEEPANSHU MANGLA

KAPIL

ANSHU KUMAR

JITENDER

CHIRAG

BHAVISHYA TEWATIA

RAJAT SINGH

ARYAN

Congratulations

30 STUDENTS SELECTED IN IIT, IIIT AND NIT

Anil Bhardwaj, Director

Teekri Brahmin, Palwal Haryana-121102 +91 9812115748
kcmws5@gmail.com http://www.kcmworldschool.com

PRGI No. HRHIN/25/A0111
Sudarshan Media 9911161753